

लड़की और स्कूल बस के बीच संवाद

बस - आओ लड़की की ?
 लड़की - क्या ठीक है ?
 बस - आज स्कूल उठाने का है।
 लड़की - कब तक उठाना है ?
 बस - कब तक उठाना है।
 लड़की - कब तक उठाना है ?
 बस - कब तक उठाना है।
 लड़की - कब तक उठाना है ?
 बस - कब तक उठाना है।



अर्जुन सिंह कर्णाल रोड नं: 8 IV C

लड़की और स्कूल
बस के बीच संवाद



बस - आती लड़की, कैसी हो
लड़की - बसवाली! बस
कहाँ है।
बस - आगे हिलो स्टॉप
पर है।
लड़की - बस तो आपकी जाय तो टक्कर मारी थी,
तो वह नहीं बहुत डरना रहा है।
बस - भरे। इसमें इतने भी कोई बाल नहीं हैं
रमा करे। कुछ लोग सामानों के निपटारे
न पाएंगे नहीं करते।
लड़की - आपको तो एम साँव (हेड लाइट) ही
फुट गड़े थी।
बस - हाँ, बहुत दूर है आ था बुरे जेजिन मेरे
सामानों में बस ही नई लगाया है।
लड़की - अरे बस! अब तो आप आगे भी अच्छे
से देख लवंगे हैं।
बस - हाँ हाँ हाँ। तो अब चले विद्यालय!

Aarmeet Singh
IV - C
Roll No - 5

लड़की और स्कूल बस के बीच संवाद

बस - आओ तनु कैसी हो ?

तनु - छन्यवाद! बस ठीक हूँ।

बस - आज इतनी उदास क्यों हो ?

तनु - कल जो आप को कार ने टक्कर मारी थी उसे याद करके डर लग रहा है।

बस - सरे! इसमें डरने की कोई बात नहीं है। क्या करें कुछ लीग यातायात के नियमों का पालन नहीं करते।

तनु - आपकी तो एक साँख (हेडलाइट) ही फूट गई थी।

बस - हाँ, बहुत दर्द हुआ था मुझे लेकिन मेरे मालिक ने कल ही नई लगवा दी।

तनु - सरे वाह! अब तो आप और भी अच्छे से देख सकती हैं।

बस - हा! हा! हा! तो अब चलें विद्यालय।



Brahamjeet Singh

Class - IV C

Roll no. - 9

संवाद लेखन



बस - आजी तनु केंसी हो ?

तनु - अन्यावाद! बस बिक हूँ।

बस - आज इतकी उदास क्यों हो ?

तनु - कल जो आप को कार में टक्कर मारी थी, उसे याद करके बहुत डर लग रहा है।

बस - अरे! इसमें डरने की कोई बात नहीं है। क्या करें कुछ लोग याता यात के समय को काफ़लन नहीं करते।

तनु - आपकी स्क ऑप ही फूट गई थी।

बस - हाँ, बहुत बर्द हुआ था मुझे लेकिन मेरे मालिक ने कम ही नई लगवदी।

तनु - अरे वाह! अब तो आप जॉर सी जॉर सी उन्हें से देव सकती हैं।

बस - हा! हा! हा! तो अब चले विद्यालय।

Kanyash
Maggo
Class - 4th
Roll No - 19

बसों और स्कूल बस के बारे में

- बस - साजो सुभे से ले ?
बस - बसकद ! बस हीक है !
बस - आज इतनी उदास क्यों हो ?
बस - कल जो आपको कार ने टक्कर
माटी थी, उसे घाटे वाले बहुत डर
लगा था है।
बस - उहरे ! इसमें उहरे जो कौडे कात नही है।
बस का कुछ लंग धातुघात के लिये जो
फायदा नही वाला।
बस - आपकी तो डक आज (हेड लाइट) ले फुट
नडे थी।
बस - हाँ ! बहुत दूर हुआ था मुझे निकल मेरे
सालेक के कात जो नडे लगवा दो।
बस - उहरे वल ! अत तो आप और जो अहरे
से दूर संकलें है।
बस - हाँ ! हाँ ! तो जी चले विद्यालय !



AJUNJ KAUR
Roll No - 1
IVth - C

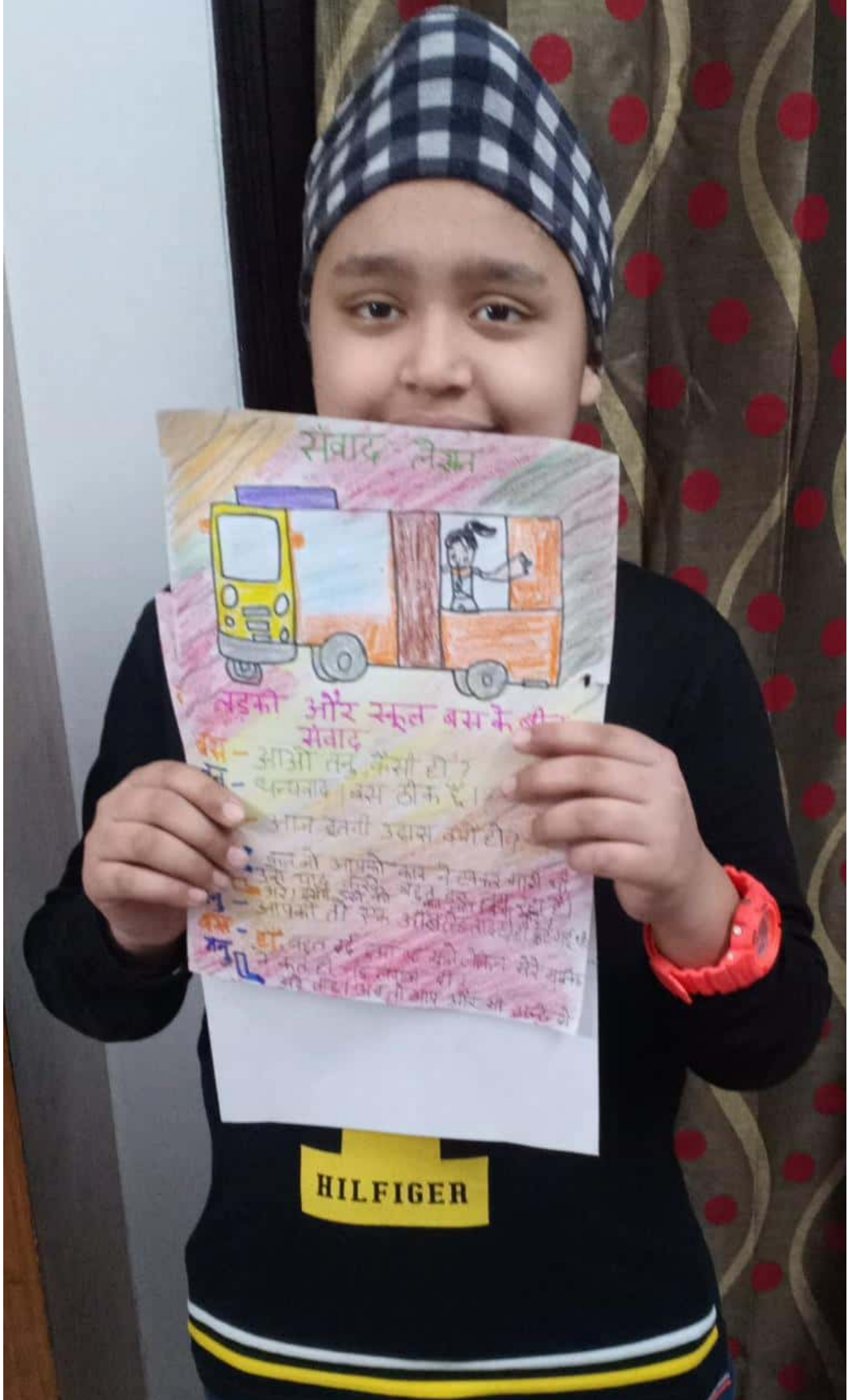
संवाद लेखन

Sampreet Singh Puri - 4thC
Roll no - 23

(लड़की और स्कूल बस)

लड़की - मेरी स्कूल बस तुम कैसी है?

स्कूल बस - मैं ठीक हूँ, पर बहुत उदास
हो गई हूँ।लड़की - हाँ, मैं भी तुम्हारे बिना उदास
हो गई हूँ।स्कूल बस - वी कितने अच्छे दिन थे जब
मैं सुबह-सुबह तुम्हें लेने आती थी और
तुम्हें समय पर स्कूल पहुँचा देती थी।लड़की - हाँ और मैं तुम्हारा बैग रोकती
थी और अपने दोस्तों के साथ मजे करती थी।स्कूल बस - काहिल वी दिन जल्दी बस आ
जाए।



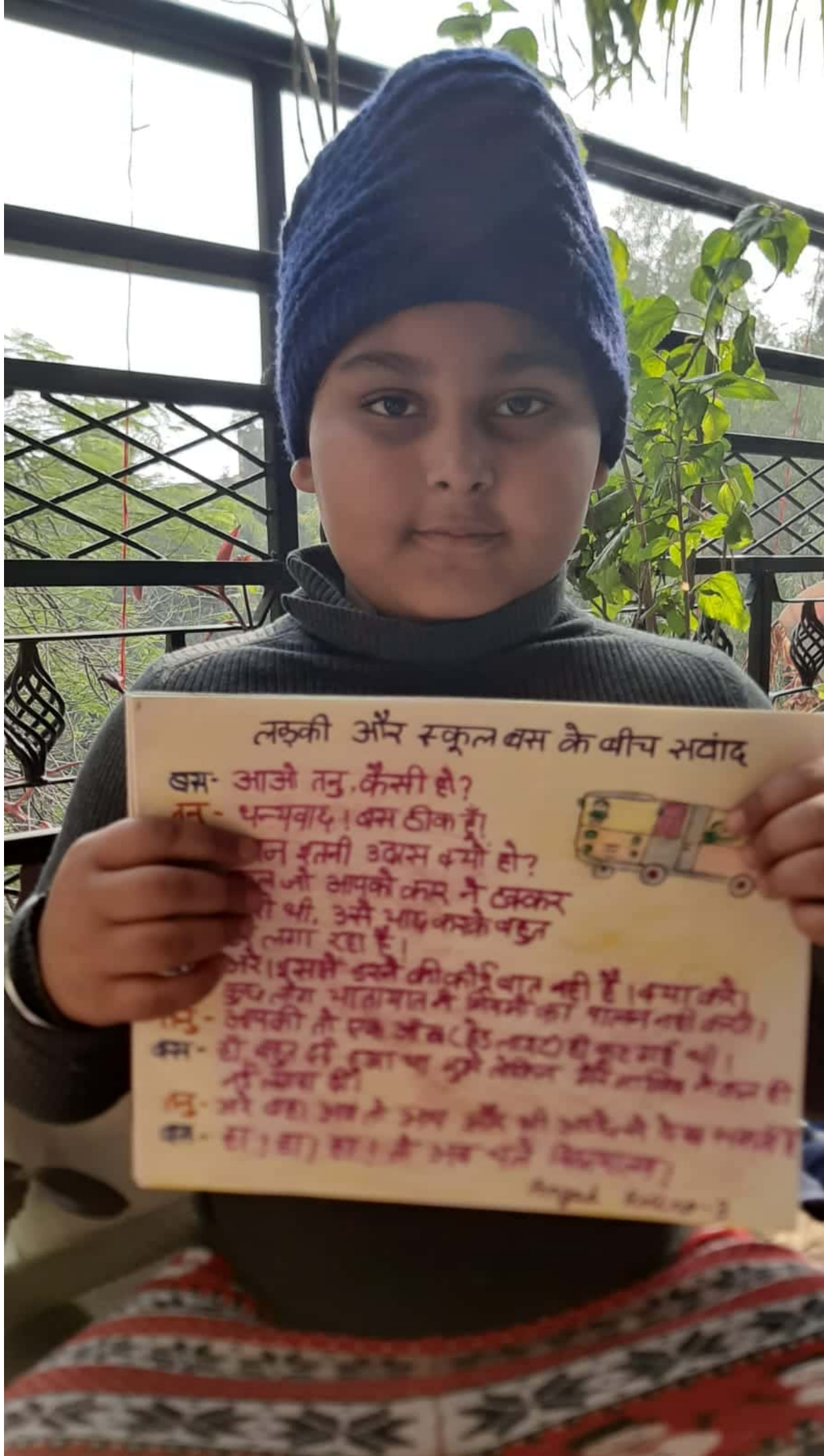
सेवाद लेख



बड़की और स्कूल बस के बीच सेवाद

बु - आओ तनु, कैसे हो ?
बु - धन्यवाद। बस ठीक है।
बु - आज बतानी उदास क्यों हो?
बु - आज तो आपको काम ने खतरा बाड़ी थी।
बु - और, कौन किसके बसु बसु बसु उदास है।
बु - आपकी तो रसक अलिखिततापदी ही है।
बु - हाँ, बहुत बड़े काम से सको लोभन सेरे यमम
बु - कल ही दि लम्बा ही
बु - मेरे को बसु उदास ही बाप और मे अस्टे ही

HILFIGER



लड़की और स्कूल बस के बीच शवांदा

बस- आज तो तू कैसी हो?

लड़की- धन्यवाद। बस ठीक है।

बस- तू जितनी उदास क्यों हो?

लड़की- तू जो आपको कम नै छकर

गो थी, उसे भाद कसके बहुत

लगा रहा है।

बस- और इससे इतने कीकी बात नहीं है। क्या करे।

कुछ लोग भातायात नै विपरीत का शस्त्र नहीं लपेटे।

लड़की- अपनी तो एक जीव (हे-बाउ) ही कर गई थी।

बस- ही बस ही हुआ था तूने लेकिन तूने लपेट नै कर ही

नै कर ही।

लड़की- जो कहा अब ते अब तूने ही लपेटे नै कर सकती।

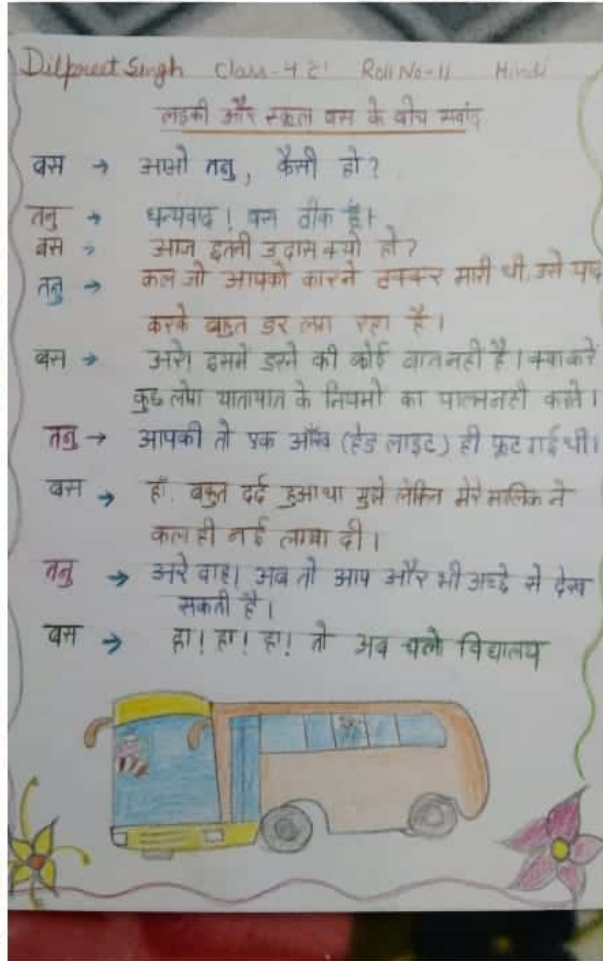
बस- हा। हा। हा। तूने अब नै विपरीत।





कक्षा और स्कूल नाम के साथ नाम
 प्रश्न - आओ कौ नसी ही
 उत्तर - प्रत्येकद। कम लीक।
 प्रश्न - आपि इतनी उदास क्यों सी।
 उत्तर - स्त तो आपकी कार नै टक्कर
 मारी थी उस घंटे नके बहुत
 दुःख हो रहे है।
 प्रश्न - अरे! क्यों इतने सीजों वत नही ब। क्या नके
 कुछ आरे। मोलाथान न निषेध न मान्यतापी।
 उत्तर - आपकी तो बुरे आँसु (हैलाकु) ही
 कुछ गरे थी।
 प्रश्न - हाँ, बहुत बड़े हुआ था मुझ लीकत न
 मोलिन न अत ही नके गतक। थी।
 उत्तर - अरे वं हा अब तो आप और भी अल्ट न
 कम शकती है।
 प्रश्न - हाँ हाँ! तो अब नन सिद्धवात्म।





15/12/21

Topic

Date

लड़की और स्कूल बस के बीच संवाद

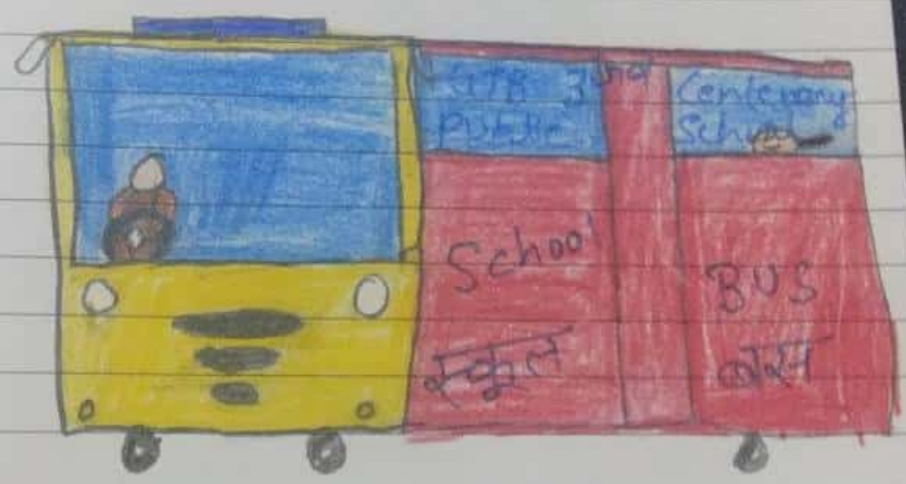
माही :- अरे बस अभी तक नहीं आई ?

बस :- माफ करना माही मैंने ट हो गया बस का टायर बराब हो गया था ।

माही :- कोई बात नहीं अंकल मैं बस डर गई थी ।

बस :- स्कूल देर होने पर तुम्हें डाँट नहीं पड़े गि । चिंता मत करो ।

माही :- अरे वाह ! स्कूल आ गया , आज लेट होने के बाद भी मैं वक़्त से स्कूल पहुँच गई । धन्यवाद अंकल ।



स्कूल बस

Date _____

Topic _____

लड़की और स्कूल बस के
बीच संवाद



बस - आभा तबु कना है ?

तबु धन्यवाद ! बस ठीक हूँ ।

बस आज इतनी उदास क्यों है ।

तबु कात जो आपसीकार ने लक्कर मारी थी,
उसे याद करके बहुत इर तग रहा
हूँ ।

बस अरे! इसमें उसने की कीर्तु बात लडी है
क्या करे ।

कुद, लीग सातसात कैनिथमों गा

Neelkanth

Teacher's Signature _____

संवाद लेखन



Arijndesh/ Singh
7 IV-C

बस-रीमा आओ तुम्हें स्कूल छोड़ दें।
रीमा-नहीं, मैं नहीं आऊँगी।

बस-क्यों रीमा?

रीमा-आज मैं अपने पिता जी की कार में स्कूल
जाऊँगी।

बस-मैं तो तुम ही रोज आराम से स्कूल पहुँचाती हैं।

रीमा-लेकिन क्या तुमने देखा है कि तुम किना
धुँआँ फैलाती हो जिसे वातावरण प्रदूषण
होता है।

बस-हाँ, रीमा मैं कल ही वाफर अपना प्रदूषण ठीक
करवा लुंगी।

रीमा-वातावरण शुद्ध होना जरूरी है यदि सभी वाहन
प्रदूषण रहित होंगे तभी हम स्वस्थ रहेंगे।


बस-बहुत अच्छे! धन्यवाद रीमा मुझे प्रेरित करने के लिये।

Arijndesh/ Singh
7 IV-C

Topic **लड़कियों और स्कूल बस के बीच संवाद** Date _____

बस - आओ तब, करनी है।
 लड़की - धन्यवाद, बस ठीक है।
 बस - आज इतना उबरा क्या, है।
 लड़की - कल जो आपकी कार ने टक्कर मारी थी,
 उसी बाद आपके बदन डर लग रहा है।
 बस - अरे! इसमें डरने में कोई बात नहीं
 है। क्या करे। कुछ लोहा, यंत्रायत में
 नियमा का पालन नहीं करते।
 लड़की - आपकी जो एक आरव (हेडलाइट)
 ही फूट गई थी।
 बस - हाँ, बहुत दर्द हुआ था मुझे।
 लेकिन मेरे मालिक ने कल ही नई लकवाड़ी
 लगी - अब वह। अब मैं आप और भी
 अच्छे से देखूँगी।
 लड़की - हाँ! हाँ! तो अब चलें विद्ययातय।

Jiya Arora
IVC
17



Topic

Date

बसों के बारे में हमें क्या पता है?

बस - आजी तनु कैसी हो

तनु - धन्यवाद। बस ठीक हैं।

बस - आण इतनी उदस क्यों हो ?

तनु - क्या जो, अपनी बस में उबल रही थी, उसे
बाद करके दूसरे बस में चला दिया है।

बस - मुझे! इतने दुःखों को कैसे बहा रही। क्या
करे। कदाचित् यह बसों के लिए ही
पान्थन नहीं है।

तनु - अपनी ते बस आण मैं लकड़ही हूँ।

बस - हाँ बहुत दूर है। मैं मुझे तेरी
साथिक ने बस ही बस लाना है।

तनु - उठे, क्या बात है आण और भी आगे
से देना समझे है।

बस - हाँ हाँ हाँ ते आण चले मिथ्यापन।

हस्ताक्षर
13/10/13



लड़की और स्कूल बस के बीच संवाद

बस → अभी तबु, कैसी हो?

तबु → धन्यवाद! बस ठीक हूँ।

बस → आज इतनी उदास क्यों हो?

तबु → कल जो आपको कारने टक्कर मारी थी, उसे याद करके बहुत डर लगा रहा है।

बस → अरे! इसमें डरने की कोई बात नहीं है। क्या करें कुछ लेना यातायात के नियमों का पालन नहीं करते।

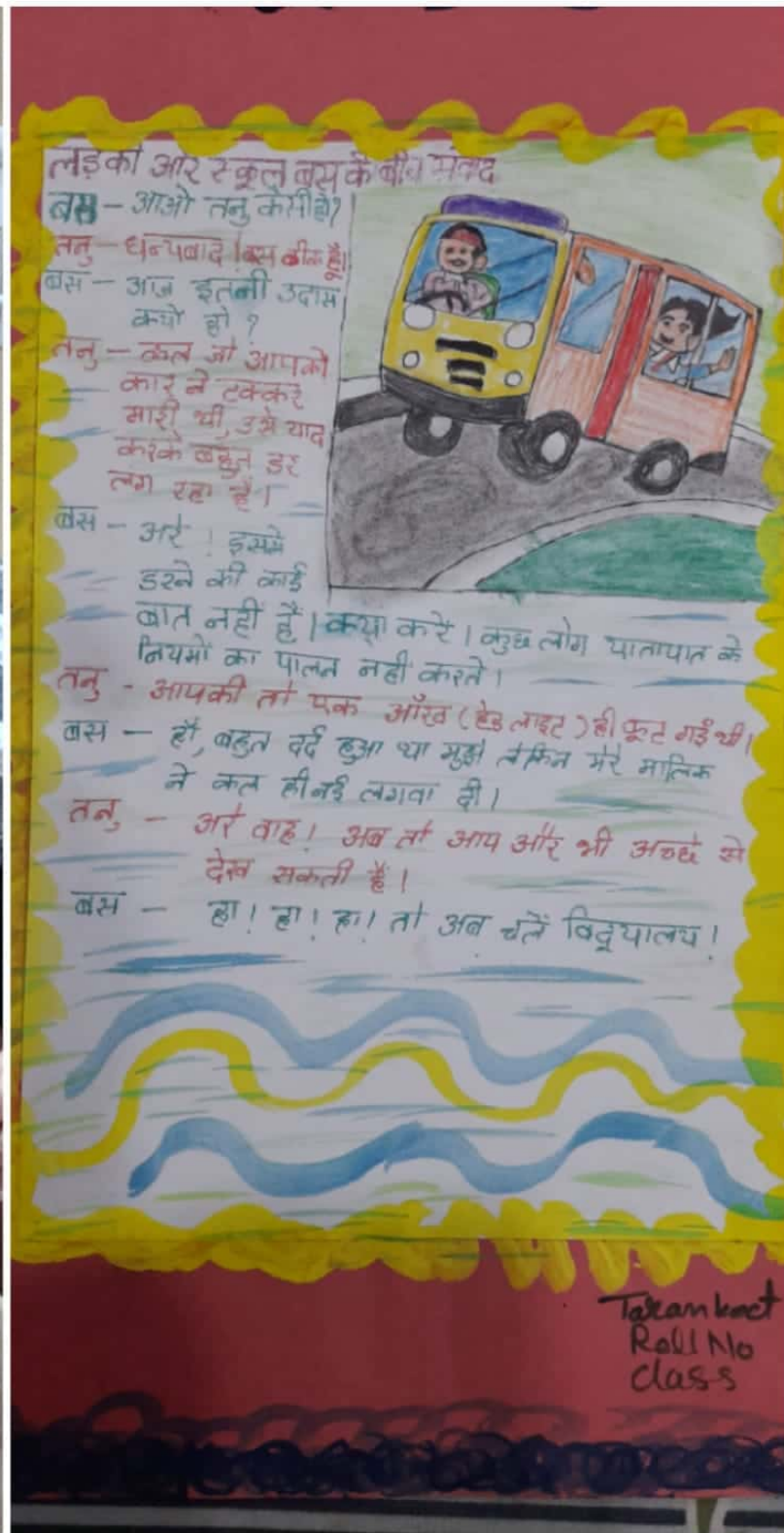
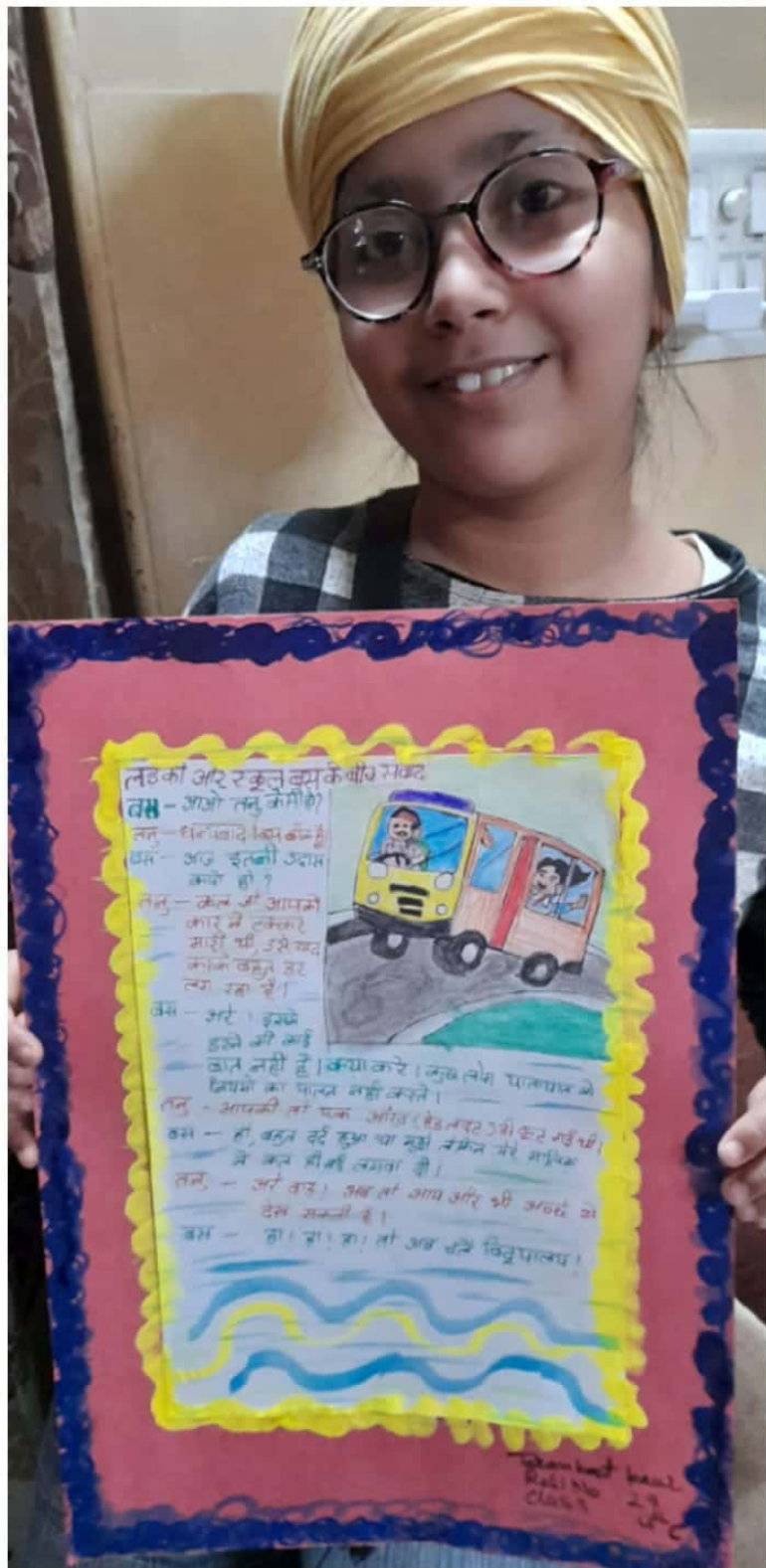
तबु → आपकी तो एक ऑम्ब (हेड लाइट) ही फूट गई थी।

बस → हाँ, बहुत दर्द हुआ था मुझे लेकिन मेरे मालिक ने कल ही नई लगा दी।

तबु → अरे वाह! अब तो आप और भी अच्छे से देख सकती हैं।

बस → हा! हा! हा! तो अब चलें विद्यालय





बस - आओ तनु बैठी हो ?

तनु - धन्यवाद। बस ठीक है।

बस - आज इतनी आस क्यों हो ?

तनु - काल जी आपको कार में खरार
सारी थी उसे पाप करके बहुत डर आ रहा है।

बस - अरे ! इसमें डर ही क्यों आ रहा है ?
हैं। क्या करे कुछ भी पातवात के
निषेधों का पालन नहीं करते।



तनु - आपकी तो एक आँख (हेड लाइट) ही फट गई थी।

बस - हाँ बहुत दर्द हुआ था मुझे लेकिन मेरी आँख ठीक
करावा है।

तनु - अरे बाह ! उस तो आप और भी अच्छे से देख
सकती हैं।

बस - हा। हा। हा। तो अब नले विदुषा रूप।

Name - Kanishka

Roll - 18

Class - IVC

लडकी और स्कूल बस के बीच संवाद



बस - आजी तनु, कैसी हो

तनु - धन्यवाद! बस
ठोक है।

बस - आज इतनी उदास
क्यों हो ?

तनु - कब जाँ आपको कार ने टक्कर मारी थी,
उसे माफ़ करके बहुत डब लग रहा है।

बस - अरे ! इसमें डरने की कोई बात नहीं है
क्या करें। कुछ लौटा यात्रामात के नियमों
का पालन नहीं करते।

तनु - आपकी तो एक आँख (हेड लाइट) ही
फूट गई थी।

बस - हाँ, बहुत दर्द हुआ था मुझे लेकिन मेरे
मालिक ने कल ही नई लगावा दी।

तनु - अरे वाह ! अब तो आप और भी अच्छे
से ड्राइव सकती हैं।

बस - हा ! हा ! हा ! तो अब चलो विद्यालय !

Aarmeet Singh

IV - C

Roll No - 5

संवाद - लेखन

लडकी और स्कूल बस के बीच संवाद



बस → आओ तनु, कौसी हो ?

तनु → धन्यवाद। बस ठीक हैं।

बस → आज इतनी उबस क्यों हो ?

तनु → कल जो आपकी कार ने टक्कर मारी थी, उसे याद करके बहुत डर लग रहा है।

बस → अरे। इसमें डरने की कोई बात नहीं है। क्या करें। कुछ लोग यातायात के नियमों का पालन नहीं करते।

तनु → आपकी तो एक आँख (हेडलाइट) ही फूट गई थी।

लड़की और स्कूल बस के बीच संवाद

बस - आओ तनु कैसे हो ?

तनु - खन्धवाह ! बस ठीक हैं !

बस - आज इतनी उदास क्यों हो ?

तनु - कल जो आपको कार ने टक्कर मारी थी उसे घाट करके बहुत दूर लगा रहा है !

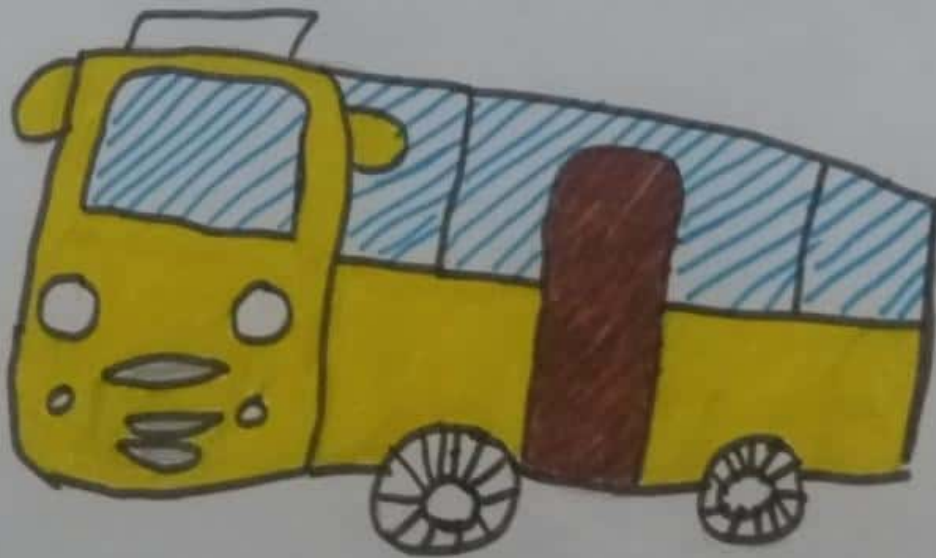
बस - अरे ! इसमें डरने की कोई बात नहीं है। क्या करें। कुछ लोग यातायात के लिये लोगों का ध्यान नहीं करते।

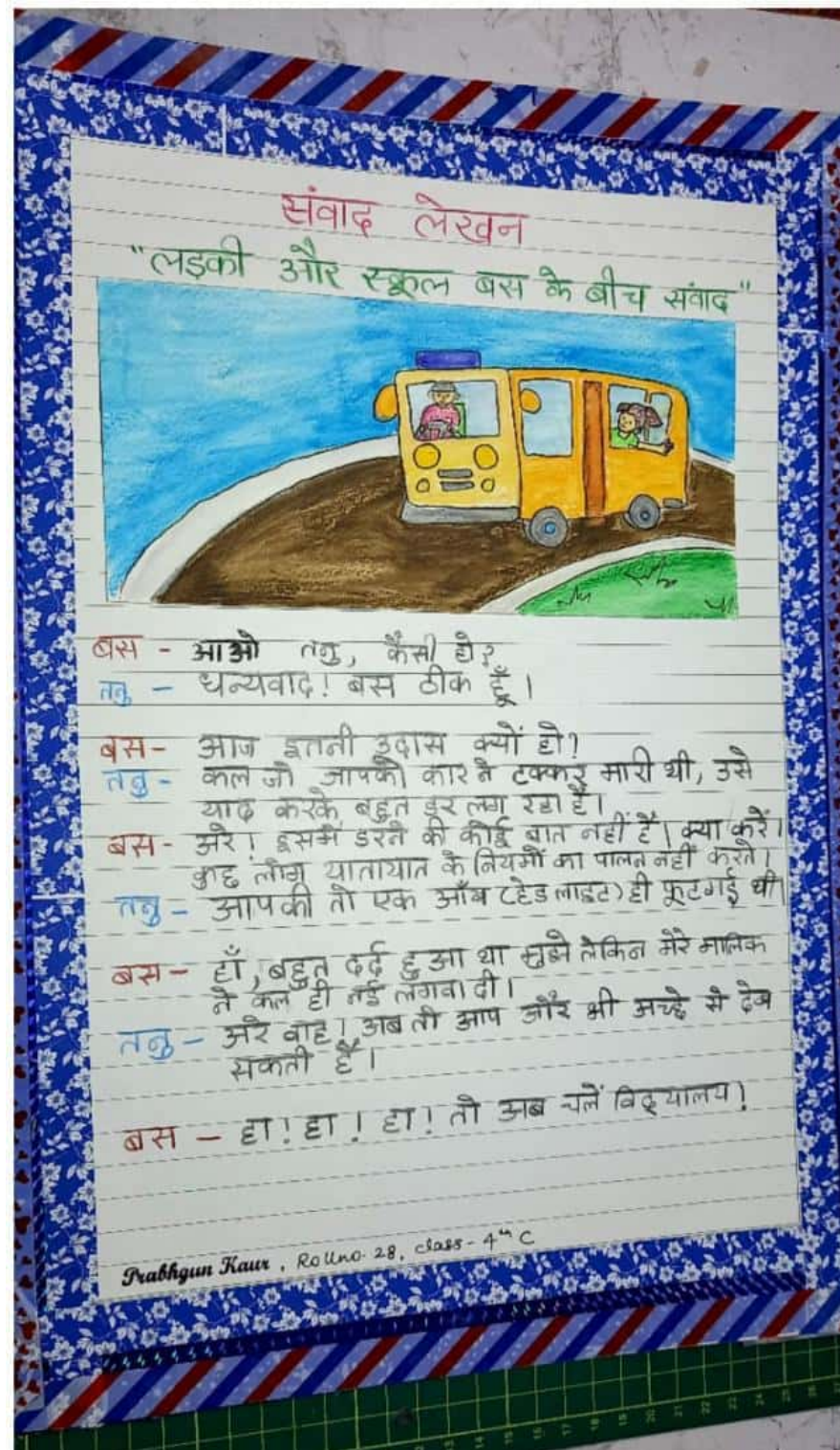
तनु - अपनी तो एक ऑब हेड लाइट ही फुट गई थी।

बस - हाँ, बहुत दर्द हुआ था मुझे लेकिन मेरे मालिक ने कल ही लगावा दी।

तनु - अरे वाह ! अब तो आप और भी अच्छे से देख सकती हैं !

बस - हा ! हा ! हा तो अब चले विद्यालय





लड़की और स्कूल बस के बीच संवाद

बस- आओ तनु, कैसी हो?

तनु- धन्यवाद! बस ठीक हूँ।

बस- आज इतनी उदास क्यों हो?

तनु- कल जो आपको कार ने छक्कर मारी थी, उसे थपकरके बहुत डर लगा रहा है!

बस- अरे! इसमें डरने की कोई बात नहीं है। क्या करें। कुछ लोग यातायात में नियमों का पालन नहीं करते।

तनु- आपकी तो एक आँख (हेड लाइट) ही फूट गई थी!

बस- हाँ, बहुत दर्द हुआ था मुझे लेकिन मेरे मालिक ने कल ही नई लगावा दी।

तनु- अरे वाह! अब तो आप और भी अच्छे से देख सकती हैं।

बस- हाँ! हाँ! हाँ! तो अब चलें विद्यालय।



Angad Roll no-3